

नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी कॉलेज)

‘नैक’ द्वारा ‘ए’ ग्रेड से मूल्यांकित महाविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट – सत्र 2017–18

इतिहास : नेशनल पी. जी. कालेज, लखनऊ की स्थापना सन् 1974 ई० में तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके लौह पुरुष स्व० श्री चन्द्र भानु गुप्त द्वारा बी०कॉम० की कक्षाओं से हुई। सन् 1979 में बी०ए० की कक्षाओं की मान्यता प्राप्त हुई। सन् 1991 ई० में प्रोफेसर डॉ० एस०पी० सिंह ने प्राचार्य का कार्य भार ग्रहण किया। उनके निर्देशन में महाविद्यालय अत्यन्त तीव्रता के साथ विकास पथ पर अग्रसर हुआ।

विकास के दृष्टिकोण से शैक्षिक सत्र 2009–10 महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है, क्योंकि इसी वर्ष से नेशनल पी०जी० कालेज को स्वायत्तशासी महाविद्यालय का स्तर प्राप्त हुआ है। वर्तमान समय में नेशनल कालेज लखनऊ विश्वविद्यालय का पहला स्वायत्तशासी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज है तथा उत्तर प्रदेश का ऐसा पहला महाविद्यालय है जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों ही स्तरों पर सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है। सत्र 2013–14 में ‘नैक’ द्वारा महाविद्यालय ‘ए’ श्रेणी से मूल्यांकित किया गया है एवं महाविद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता में भारत के श्रेष्ठतम महाविद्यालयों में अग्रणी स्थान पर रखा गया है।

महाविद्यालय में बी०ए०, बी०कॉम०, बी०बी०ए०, बी०बी०ए० (एम०एस०), बी०कॉम० ऑनर्स, बी०एस०सी०, बी०सी०ए०, एम०कॉम० तथा मनोविज्ञान, भूगोल एवं मानवशास्त्र विषयों में एम०ए०, बी०वॉक०, एम०वॉक०, कम्प्यूनिटी कोर्सेज तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों के अध्ययन की व्यवस्था है।

छात्र-छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु ‘सेवेन स्टेप स्टूडेंट सपोर्ट कार्यक्रम’ लागू है। जिसके अन्तर्गत छात्र-छात्राएं सात स्तरों पर अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं।

गतिविधियाँ

(क) शैक्षिक — स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु महाविद्यालय के सभी संकायों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती रही है एवं छात्र-छात्राओं के विषय चुनाव एवं सत्रीय कार्यक्रम से अवगत कराने हेतु एक प्री-एडमीशन काउन्सिलिंग एवं प्रवेश उपरान्त ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

इस सत्र में 12 जुलाई 2017 को कला संकाय, 13 जुलाई 2017 को वाणिज्य संकाय, 14 जुलाई 2017 को विज्ञान संकाय तथा 18 जुलाई 2017 को प्रबन्धन संकाय का ओरिएन्टेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

समुचित अध्ययन अध्यापन के साथ छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के ज्ञानवर्द्धन एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

14 अप्रैल 2018 को डा० अम्बेडकर जयन्ती पर एक और राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है। इसके मुख्य वक्ता जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० एल०एस० राठौर होंगे।

15 अगस्त 2017 को "आजादी 2017" कार्यक्रम के तहत अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं प्रबन्ध संकाय की टीमों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

5 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में 'शिक्षक दिवस समारोह' आयोजित किया गया।

2 अक्टूबर 2017 को महात्मा गाँधी की जयन्ती पर 'वर्तमान सन्दर्भ में महात्मा गाँधी की प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

23 अक्टूबर 2017 में महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग के साथ भाग लिया।

31 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2017 तक स्वर्गीय चन्द्रभानु गुप्त अन्तर्महाविद्यालयी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ।

नवम्बर एवं दिसम्बर 2017 में सेमेस्टर परीक्षाओं का अत्यन्त पवित्रतापूर्ण ढंग से आयोजन किया गया एवं 5 जनवरी 2018 तक समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये गये। परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

26 जनवरी 2018 को "स्पेक्ट्रम-2018" के अन्तर्गत अन्तर्सकाय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

मार्च 2018 में ही "ओज-2018" के अन्तर्गत अन्तर्सकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

11 जनवरी 2018 से 17 जनवरी 2018 तक महाविद्यालय में युवा सप्ताह 'समर्थ युवा पर्व के रूप में' का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न दिवसों में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, योगाभ्यास, अन्तर्महाविद्यालयी पोस्टर प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि उ०प्र० सरकार में वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना थे।

भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानो सहित 14 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र द्वारा 'साइबर सुरक्षा' पर 1/9/2017 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी केन्द्र द्वारा 25 फरवरी को 'सामाजिक सुरक्षा' पर भी एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। हिन्दी विभाग द्वारा 7 अक्टूबर 2017 को 'महात्मा गाँधी एवं राष्ट्र भाषा हिन्दी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

मानव विज्ञान विभाग द्वारा संचालित 'एड ऑन सर्टिफिकेट कोर्स इन फोरेन्सिक साइन्स' का आयोजन किया गया। इसमें नई दिल्ली, बंगलौर, कोरिया के प्रतिभागियों की सहभागिता रही।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन पर दिनांक 11 जनवरी 2017 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

छात्र-छात्राओं द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2017 को महाविद्यालय में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के लगभग बीस छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इण्डियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (IAPT) द्वारा आयोजित National Graduate Physics Examination 2017 में महाविद्यालय के छात्र आकाश श्रीवास्तव ने राज्य में श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के 22 छात्र-छात्राओं को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० नीरजा सिंह की दो पुस्तकें प्रकाशित हुईं। महाविद्यालय के हिन्दी शिक्षक डॉ० रामकृष्ण की 'आधुनिक अवधी संत साहित्य' एवं 'सूरदास की कविता' विषयक दो पुस्तकें प्रकाशित हुईं। भूगोल विभाग की शिक्षिका डॉ० ऋतु जैन एवं गणित विभाग के श्री बी०पी० सिंह की एक-एक पुस्तक प्रकाशित हुई।

17 नवम्बर 2017 से 14 नवम्बर 2017 तक मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें इंग्लैण्ड, फ्रांस, अमेरिका, इटली सहित विष्व के लगभग 14 देशों के विद्वान सम्मिलित हुए। सत्र 2015-16 से 'च्चाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एण्ड इक्जामिनेषन रिफार्म' लागू है।

संक्षेप में उपलब्धियां

1. सत्र 2017-18 में महाविद्यालय में कुल 25 संगोष्ठियाँ एवं 9 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें 24 राष्ट्रीय एवं 10 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की थीं।
2. महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गाँधी, नेहरू एवं अम्बेडकर अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों के तत्वावधान में सत्र 2017-18 में 11 राष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की गईं।
3. प्लेसमेन्ट हेतु महाविद्यालय में टी०सी०एस०, कनवर्जिस, एच०सी०एल०, इन्फोसिस, रिलायंस लाइफ इन्श्योरेंस, गूगल सहित 22 कम्पनियाँ आयीं एवं 651 छात्र-छात्राओं को प्लेसमेन्ट प्राप्त हुआ। फेडरल बैंक एवं अजीमप्रेम जी फाउण्डेशन एवं गूगल कम्पनी द्वारा भी महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं का चयन किया।
4. विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में महाविद्यालय के 65 शिक्षकों ने सहभागिता की और अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।
5. सत्र 2017-18 में महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित 22 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा लगभग 97 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
6. अधिकांश शिक्षकों के लगभग तीन शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
7. प्रबन्ध संकाय द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2018 'कैरियर टिकट' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्पोरेट सेक्टर के विशेषज्ञों द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को कैरियर काउंसिलिंग दी गई।

8. विगत वर्ष नवम्बर 2016 में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० एस०पी० सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति पद सुषोभित किया। यह महाविद्यालय के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है। उसी समय मानव शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ० नोरजा सिंह ने कॉलेज के प्राचार्य पद को ग्रहण किया।
8. सत्र 2005 से महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई और आज महाविद्यालय का विज्ञान संकाय आधुनिकतम प्रयोगशालाओं से सुसज्जित श्रेष्ठतम संकाय है।
9. सत्र 2002-03 से महाविद्यालय में प्रबन्ध संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई एवं आज प्रबन्ध संकाय का शैक्षिक गुणवत्ता में श्रेष्ठ स्थान है।
10. 'इंडिया टुडे' राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा जून, 2017 के अंक में निर्धारित देश के श्रेष्ठतम 50 महाविद्यालयों में नेशनल पी०जी० कॉलेज, लखनऊ को प्रथम स्थान पर रखा गया है। इससे महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता स्वतः सिद्ध होती है। निरन्तर छह वर्षों से कॉलेज को स्थान प्राप्त हो रहा है।
11. सत्र 2017-18 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव, अनुसचिव एवं आयोग द्वारा नामित अनेक ख्याति प्राप्त आचार्यों ने महाविद्यालय का भ्रमण किया।
12. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कॉलेज को वर्चुअल क्लासेज, रेमेडियल क्लासेज एवं कम्पेटिटिव क्लासेज तथा नेट परीक्षा की कक्षाओं की अनुमति प्रदान की गई।
13. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा महाविद्यालय को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन एवं परामर्श केन्द्र बनाया गया है।
14. महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 17 लघु शोध परियोजनाओं पर शोध कार्य किया जा रहा है।
15. मूल्यांकन पूर्ण पारदर्शी ढंग से संपादित किया जाता है तथा टॉपर विद्यार्थी की कापी अवलोकनार्थ पुस्तकालय में रखी जाती है।
16. महाविद्यालय के एन०एस०एस० एवं स्काउट गाइड इकाइयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रक्तदान तथा अन्य समाजोपयोगी कार्य किये जाते हैं।

17. महाविद्यालय में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

वर्तमान सत्र से लागू होने वाली प्रभावी योजनाएं—

1. सत्र 2015-16 से महाविद्यालय में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एवं ग्रेडिंग प्रणाली' लागू की जा चुकी है।
2. महाविद्यालय की सेषनल परीक्षा को एकीकृत करके ऑनलाइन किये जाने की संकल्पना कार्य रूप में परिणत की जा रही है।
3. विभिन्न विभागों द्वारा लगभग एक दर्जन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स लागू किये गये हैं।

भावी योजनाएँ — प्रबन्ध तंत्र की अनुमति के साथ बी0एड0 की कक्षाओं के संचालन पर विचार हो रहा है तथा चन्द्र भानु गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की स्थापना भी विचारणीय है। इसी प्रकार महाविद्यालय के क्रीड़ा मैदान को भी विशाल स्टेडियम का रूप देने की योजना है। कैम्पस के विस्तारीकरण की योजना भी विचारणीय है। वर्तमान सत्र में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र एवं हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन प्रस्तावित है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

धन्यवाद।



डॉ0 राम कृष्ण

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

नेषनल पी0जी0 कालेज